

English	Hindi
<p><b>Coronavirus (COVID-19): Treatments</b></p> <p>Getting your coronavirus (COVID-19) vaccination is still the best way to protect yourself from the virus.</p> <p>There are additional treatment options for selected groups of people with coronavirus who are thought to be at greater risk. These treatments need to be given soon after you get a positive coronavirus test result to be most effective.</p> <p>These additional coronavirus treatments are available to the following groups of people:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• those thought to be at high risk and with a clinical condition that's been prioritised for treatment</li> <li>• those taking part in a registered clinical trial of antiviral and other therapies for coronavirus</li> </ul>	<p><b>कोरोनावायरस (कोविड-19): उपचार</b></p> <p>कोरोनावायरस (कोविड-19) टीका लगवाना, वायरस से अपनी सुरक्षा करने का अभी भी सबसे अच्छा तरीका है।</p> <p>कोरोनावायरस से ग्रस्त चुनिंदा लोगों के लिए अतिरिक्त उपचार विकल्प हैं, जिन्हें अधिक जोखिम पर माना जाता है। इन उपचारों के सबसे अधिक प्रभावी होने के लिए जरूरी है कि कोरोनावायरस जांच में आपको पॉजिटिव पाए जाने के बाद आपको ये उपचार यथाशीघ्र दिए जाएं।</p> <p>ये अतिरिक्त कोरोनावायरस उपचार निम्नलिखित लोगों के लिए उपलब्ध हैं:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• जिन लोगों को अधिक जोखिम पर माना गया है तथा जिन्हें कोई क्लीनिकल स्थिति है, उन्हें उपचार के लिए वरीयता दी गई है</li> <li>• कोरोनावायरस से बचाव एवं उपचार के लिए एंटीवायरल एवं अन्य थेरेपीज के रजिस्टर्ड क्लीनिकल ट्रायल में हिस्सा लेने वाले व्यक्ति</li> </ul>

<p><b>Direct access to coronavirus treatments for patients with clinical conditions prioritised for treatment</b></p> <p>Adults and children (aged 12 or over) who have all 3 of the following are eligible to be assessed for treatment:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• symptoms of coronavirus that started in the last 5 days with no signs of clinical recovery</li> <li>• are a member of one of the patient groups considered at high risk from coronavirus with a clinical condition prioritised for treatment</li> <li>• coronavirus is confirmed by either a positive lateral flow device (LFD) test or PCR test</li> </ul> <p>Your LFD test is not complete until you <a href="#">report your result</a>, either online or by phone, and receive a result confirmation notification.</p>	<p><b>उपचार के लिए वरीयता वाली क्लीनिकल स्थितियों वाले मरीजों को कोरोनावायरस उपचारों का सीधा एक्सेस</b></p> <p>वयस्क एवं बच्चे (12 वर्ष या अधिक आयु के) जिन्हें ये सभी निम्न 3 हैं, वे उपचार हेतु जांच के लिए पात्र हैं:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• आपको कोरोनावायरस के लक्षण हैं, जो पिछले 5 दिनों में आरंभ हुए हैं, तथा क्लीनिकल रिकवरी के कोई लक्षण नहीं हैं</li> <li>• आप किसी ऐसे मरीज समूह के सदस्य हैं, जिन्हें उपचार के लिए वरीयता वाली क्लीनिकल स्थिति के कारण कोरोनावायरस के अधिक जोखिम पर माना जाता है</li> <li>• पॉजिटिव लेटरल फ्लो डिवाइस (LFD) टेस्ट या PCR टेस्ट द्वारा आपके कोरोनावायरस की पुष्टि की गई है</li> </ul> <p>आपका LFD टेस्ट तब तक पूर्ण नहीं होता है, जब तक कि आप <a href="#">अपने परिणाम की रिपोर्ट</a> चाहे ऑनलाइन या फोन द्वारा नहीं कर देते, तथा आपको एक परिणाम पुष्टि अधिसूचना नहीं मिल जाती।</p>
<p><b>Adults 18 years or older considered at high risk from coronavirus and to be prioritised for treatment</b></p> <p>The following patient groups were determined by a group of clinical experts using the best available evidence on outcomes in</p>	<p><b>18 वर्ष या अधिक आयु के वयस्कों जिन्हें कोरोनावायरस के अधिक जोखिम पर माना जाता है, और जिन्हें उपचार में वरीयता दी जाएगी</b></p> <p>कोरोनावायरस संक्रमण में परिणामों संबंधी सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध साक्ष्य का प्रयोग करते क्लीनिकल एक्सपर्ट्स के एक समूह द्वारा निम्न मरीज समूहों का निर्धारण</p>

<p>coronavirus infection. More detailed information can be found in the <a href="#">published report</a> of the independent advisory group.</p>	<p>किया गया था। स्वतंत्र परामर्श समूह की <a href="#">प्रकाशित रिपोर्ट</a> में अधिक विस्तृत जानकारी पायी जा सकती है</p>
<p><b>Down's syndrome and other genetic disorders</b></p> <p>Down's syndrome or other chromosomal disorders known to affect the immune system</p>	<p><b>डाउन्स सिंड्रोम तथा अन्य आनुवंशिक विकार</b></p> <p>डाउन्स सिंड्रोम अथवा अन्य क्रोमोसोमल विकार, जो प्रतिरक्षा तंत्र (इम्यून सिस्टम) को प्रभावित करने के लिए जाने जाते हैं</p>
<p><b>Solid cancer</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• metastatic or locally advanced inoperable cancer</li> <li>• lung cancer (at any stage)</li> <li>• people who have received chemotherapy, PI3K inhibitors or radiotherapy within the last 12 months</li> <li>• people who have had cancer resected within the last 12 months and are receiving no follow-up chemotherapy or radiotherapy (with the exception of people with basal cell carcinomas who have undergone local excision or topical treatment)</li> </ul>	<p><b>सॉलिड कैंसर</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• मेटास्टैटिक (फैला हुआ) या उसी स्थान पर विकसित कैंसर जिसका ऑपरेशन नहीं किया जा सकता</li> <li>• फेफड़े का कैंसर (किसी भी चरण में)</li> <li>• जिन लोगों को पिछले 12 महीनों के अंदर कीमोथेरेपी, PI3K इनहिबिटर्स या रेडियोथेरेपी दी गई है</li> <li>• जिन लोगों ने पिछले 12 महीनों के अंदर कैंसर वाले भाग को सर्जरी से हटावाया था, तथा कोई फॉलो-अप कीमोथेरेपी या रेडियोथेरेपी नहीं दी जा रही है (बैसल सेल कैर्सिनोमाज से प्रभावित लोग जो लोकल एक्सिशन या टॉपिकल ट्रीटमेंट करवाए हैं उन्हें छोड़कर)</li> </ul>
<p><b>Haematological (blood) diseases and stem cell transplant recipients</b></p>	<p><b>हेमैटोलॉजिकल (रक्त) रोग तथा स्टेम सेल ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ता</b></p>

<ul style="list-style-type: none"> <li>• sickle cell disease</li> <li>• allogeneic haematopoietic stem cell transplant (HSCT) recipients in the last 12 months or active graft vs host disease (GVHD) regardless of time from transplant (including HSCT for non-malignant diseases)</li> <li>• autologous HSCT recipients in the last 12 months (including HSCT for non-malignant diseases)</li> <li>• individuals with haematological malignancies who have received chimaeric antigen receptor (CAR)-T cell therapy in the last 24 months, or radiotherapy in the last 12 months</li> <li>• individuals with haematological malignancies receiving systemic anti-cancer treatment (SACT) within the last 12 months</li> </ul> <p>All people who are diagnosed with:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• myeloma (excluding monoclonal gammopathy of undetermined significance (MGUS))</li> <li>• AL amyloidosis</li> <li>• chronic B-cell lymphoproliferative disorders (e.g. chronic lymphocytic leukaemia, follicular lymphoma)</li> <li>• myelodysplastic syndrome (MDS)</li> <li>• chronic myelomonocytic leukaemia (CMML)</li> <li>• myelofibrosis</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सिकल सेल रोग</li> <li>• ऐसे मरीज जिन्हें पिछले 12 महीनों में एलोजेनिक हेमैटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांट (HSCT) दिया गया है, अथवा जिन्हें एक्टिव ग्राफ्ट वर्सेज होस्ट डिजीज (GVHD) है, भले ही उन्हें ट्रांसप्लांट करवाए हुए चाहे जितना समय हो गया हो (गैर घातक रोगों हेतु HSCT समेत)</li> <li>• ऐसे मरीज जिन्हें पिछले 12 महीनों में ऑटोलॉग्स HSCT दिया गया है (गैर घातक रोगों हेतु HSCT समेत)</li> <li>• ऐसे मरीज जिन्हें रुधिर संबंधी विकृतियां (हेमैटोलॉजिकल मैलिगनेंसीज) है, और उन्हें पिछले 24 महीनों के दौरान किमैरिक एंटीजेन रिसेप्टर (CAR)-T सेल थेरेपी दी गई है, या पिछले 12 महीने में रेडियोथेरेपी दी गई है</li> <li>• रुधिर संबंधी विकृतियों (हेमैटोलॉजिकल मैलिगनेंसीज) से पीड़ित व्यक्ति, जिन्हें पिछले 12 महीनों के अंदर सिस्टेमिक एंटी-कैंसर ट्रीटमेंट (SACT) दिया गया है</li> </ul> <p>निम्न रोगों से डायग्नोस किए गए सभी लोग:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• माईलोमा (मोनोक्लोनल गैमोपैथी ऑफ अनडिटरमाइन्ड सिग्निफिकेंस (MGUS) को छोड़कर)</li> <li>• AL एमाइलोआइडोसिस</li> <li>• क्रोनिक बी-सेल लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकार (जैसे कि क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया, फॉलीकुलर लिम्फोमा)</li> <li>• माइलोडिसप्लास्टिक सिंड्रोम (MDS)</li> <li>• क्रोनिक माइलोमोनोसाइटिक ल्यूकेमिया (CMML)</li> <li>• माइलोफाइब्रोसिस</li> </ul>
--	--

<ul style="list-style-type: none"> <li>• people with thalassaemia or rare inherited anaemia with either severe cardiac iron overload or severe to moderate iron overload with an additional co-morbidity of concern (for example, diabetes, chronic liver disease or severe hepatic iron load on MRI) and where agreed by the haematology consultant responsible for the management of the patient's haematological condition</li> <li>• individuals with non-malignant haematological disorder (e.g. aplastic anaemia or paroxysmal nocturnal haemoglobinuria) receiving B-cell depleting systemic treatment (e.g. anti-CD20, anti thymocyte globulin [ATG] and alemtuzumab) within the last 12 months</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• ऐसे लोग जिन्हें थैलासीमिया या दुर्लभ वंशागत रक्तहीनता (रेयर इनहेरिटेड एनिमिया) है, और उसके साथ ही उन्हें गंभीर कार्डियक आयरन ओवरलोड या गम्भीर से मध्यम आयरन ओवरलोड की समस्या है, और उसके साथ ही कोई अतिरिक्त चिंताजनक सह-रुग्णता है (उदाहरण के लिए मधुमेह (डायबिटीज), दीर्घकालिक लिवर का रोग या MRI पर गंभीर हेपैटिक आयरन लोड) और मरीज की रुधिर संबंधी स्थिति के प्रबन्धन हेतु जिम्मेदार हेमैटोलॉजी कंसल्टेंट सहमत हैं</li> <li>• ऐसे मरीज जिन्हें गैर घातक हेमैटोलॉजिकल डिसऑर्डर (जैसे कि एप्लास्टिक एनिमिया या पैरॉक्सिसमल नॉक्टर्नल हेमैग्लोबैन्यूरिया) है और पिछले 12 महीनों के दौरान उन्हें बी-सेल डीप्लेटिंग सिस्टेमिक उपचार (जैसे कि एंटी-CD20, एंटी थायमोसाइट ग्लोब्यूलिन [ATG] तथा एलिमटुजुमैब) उपचार दिया जा गया है</li> </ul>
<p><b>Renal (kidney) disease</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• renal transplant recipients (including those with failed transplants within the past 12 months), particularly those who have: <ul style="list-style-type: none"> <li>○ received B cell depleting therapy within the past 12 months (including alemtuzumab, rituximab [anti-CD20], anti-thymocyte globulin)</li> <li>○ an additional substantial risk factor which would in isolation make them eligible for nMABs or oral antivirals</li> <li>○ not been vaccinated prior to transplantation</li> </ul> </li> </ul>	<p><b>गुर्दे (किडनी) के रोग</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• गुर्दा प्रत्यारोपण करवाने वाले मरीज (ऐसे मरीजों समेत जिनके प्रत्यारोपण पिछले 12 महीनों के अंदर फेल हुए हैं), विशेष रूप से ऐसे मरीज जिन्हें निम्न समस्याएं हैं: <ul style="list-style-type: none"> <li>○ जिन्हें पिछले 12 महीनों के अंदर बी सेल डीप्लेटिंग थेरेपी (एलिमटुजुमैब, रिटुक्सिमैब [एंटी-CD20], एंटी-थायमोसाइट ग्लोब्यूलिन) दी गई है</li> <li>○ जिन मरीजों को एक अतिरिक्त महत्वपूर्ण जोखिम कारक है, जिनके कारण वे पृथक रूप से nMABs या ओरल एंटीवायरल्स के लिए पात्र होते</li> <li>○ जिन लोगों को ट्रांसप्लांटेशन के पहले टीका नहीं लगाया गया है</li> </ul> </li> </ul>

<ul style="list-style-type: none"> <li>• non-transplant patients who have received a comparable level of immunosuppression</li> <li>• people with chronic kidney stage (CKD) 4 or 5 (an eGFR less than 30 ml/min/1.73m<sup>2</sup>) without immunosuppression</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• नॉन-ट्रांसप्लांट्स मरीज, जिन्हें तुलनात्मक स्तर का इम्युनोसप्रेसन दिया गया है</li> <li>• क्रोनिक किडनी स्टेज (CKD) 4 या 5 वाले मरीज (30 ml/min/1.73m<sup>2</sup> से कम eGFR) इम्युनोसप्रेसन के बिना</li> </ul>
<p><b>Liver disease</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• people with cirrhosis Child's-Pugh class A, B or C</li> <li>• people with a liver transplant</li> <li>• people with liver disease on immune suppressive therapy (including patients with and without cirrhosis)</li> </ul>	<p><b>लिवर रोग</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• ऐसे मरीज जिन्हें साइरोसिस चाइल्ड्स-पग श्रेणी A, B एवं C है</li> <li>• ऐसे मरीज जिन्होंने लिवर ट्रांसप्लांट करवाया है</li> <li>• लिवर रोग के मरीज, जो इम्यून सप्रेसिव थेरेपी ले रहे हैं (ऐसे मरीजों समेत मरीज जिन्हें लीवर साइरोसिस है तथा ऐसे भी मरीज जिन्हें लीवर साइरोसिस नहीं है)</li> </ul>
<p><b>Immune-mediated inflammatory disorders (IMID)</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• people who have received a B cell depleting therapy (anti-CD20 drug for example rituximab, ocrelizumab, ofatumab, obinutuzumab) in the last 12 months</li> <li>• people who have been treated with cyclophosphamide (IV or oral), biologic medicines or small molecule JAK-inhibitors (except anti-CD20 depleting monoclonal antibodies) in the last 6 months</li> </ul>	<p><b>इम्यून-मेडीएटेड इन्फ्लेमेटरी डिसऑर्डर्स (IMID)</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• जिन लोगों को पिछले 12 महीने में बी सेल डीप्लेटिंग थेरेपी (एंटी-CD20 ड्रग उदाहरण के लिए रिटूक्सीमैब, ऑक्रेलीजुमैब, ओफैटुमुमैब, ओबिनुटुजुमैब) दी गई है</li> <li>• पिछले 6 महीने में जिन लोगों का उपचार साइक्लोफॉस्फैमाइड (IV या ओरल), बायोलॉजिक मेडिसिन या स्मॉल मॉलीक्यूल JAK-इनहिबिटर्स (एंटी-CD20 डीप्लेटिंग मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज के सिवाय) से किया गया है</li> </ul>

<ul style="list-style-type: none"> <li>• people who have been treated with corticosteroids (equivalent to greater than 10mg per day of prednisolone) in the last 28 days</li> <li>• people who are on current treatment with mycophenolate mofetil, oral tacrolimus, azathioprine/mercaptopurine (for major organ involvement such as kidney, liver and/or interstitial lung disease), methotrexate (for interstitial lung disease) and/or ciclosporin</li> <li>• people who exhibit at least one of: (a) uncontrolled or clinically active disease (that is required recent increase in dose or initiation of new immunosuppressive drug or IM steroid injection or course of oral steroids within the 3 months prior to positive PCR); and/or (b) major organ involvement such as significant kidney, liver or lung inflammation or significantly impaired renal, liver and/or lung function)</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पिछले 28 दिनों में जिन लोगों का उपचार कॉर्टिकोस्टेरॉयड्स (प्रति दिन 10mg प्रिडनिसोलोन से अधिक के समतुल्य) से किया गया है</li> <li>• जिन लोगों का उपचार अभी मॉइकोफेनोलेट मोफेटिल, ओरल टैक्रोलिमस, अजैथियोप्राइन / मरकैप्टोप्यूरिन (किडनी, लीवर तथा/अथवा इंटरस्टीटियल फेफड़ा रोग), मीथोट्रेक्सेट (इंटरस्टीटियल फेफड़ा रोग के लिए) तथा/अथवा साइक्लोस्पोरिन से किया जा रहा है</li> <li>• जो लोग निम्न में से कोई एक लक्षण दर्शा रहे हैं: (a) अनियंत्रित या क्लीनिकली एक्टिव रोग (जिसके कारण पॉजिटिव PCR के पहले 3 महीने के अंदर ओरल स्टेरॉयड्स के कोर्स या IM स्टेरॉयड इंजेक्शन या नए इम्युनोसप्रेसिव ड्रग के इनीशिएशन या खुराक में हाल में बढ़ाने की जरूरत रही है); तथा/अथवा (b) किसी प्रमुख अंग की इन्वॉल्वमेंट जैसे कि महत्वपूर्ण किडनी, लिवर या फेफड़े की सूजन या गुर्दा, लिवर तथा/अथवा फेफड़े के कार्य में महत्वपूर्ण रूप से खराबी)</li> </ul>
<p><b>Immune deficiencies</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• common variable immunodeficiency (CVID)</li> <li>• undefined primary antibody deficiency on immunoglobulin (or eligible for Ig)</li> <li>• hyper-IgM syndromes</li> <li>• Good's syndrome (thymoma plus B-cell deficiency)</li> </ul>	<p><b>प्रतिरक्षा डेफिसिएंसीज</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कॉमन वैरियेबल इम्युनोडेफिसिएंसी (CVID)</li> <li>• इम्युनोग्लोब्यूलिन पर अनिर्धारित प्राइमरी एंटीबॉडी डेफिसिएंसी (या Ig के लिए पात्र)</li> <li>• हाइपर-IgM सिंड्रोम</li> <li>• गुड्स सिंड्रोम (थाईमोमा प्लस बी-सेल डेफिसिएंसी)</li> </ul>

<ul style="list-style-type: none"> <li>• severe Combined Immunodeficiency (SCID)</li> <li>• autoimmune polyglandular syndromes/autoimmune polyendocrinopathy, candidiasis, ectodermal dystrophy (APECED syndrome)</li> <li>• primary immunodeficiency associated with impaired type I interferon signalling</li> <li>• x-linked agammaglobulinaemia (and other primary agammaglobulinaemias)</li> <li>• any person with a secondary immunodeficiency receiving or eligible for, immunoglobulin replacement therapy</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सीवीयर कंबाइन्ड इम्युनोडेफिसिएंसी (SCID)</li> <li>• ऑटोइम्यून पॉलीग्लैंड्यूलर सिंड्रोम्स / ऑटोइम्यून पॉलीएंडोक्राइनोपैथी, कैंडीडायसिस, एक्टोडर्मल डिस्ट्रोफी (APECED सिंड्रोम)</li> <li>• इंपेयर्ड टाइप I इंटरफेरॉन सिग्नलिंग के साथ संबंधित प्राइमरी इम्युनोडेफिसिएंसी</li> <li>• X-लिंक्ड अगैम्माग्लोब्यूलानीमिया (तथा अन्य प्राइमरी अगैम्माग्लोब्यूलानीमियाज)</li> <li>• सेकेंडरी इम्युनोडेफिसिएंसी वाला कोई मरीज जिसे इम्युनोग्लोब्यूलिन रिप्लेसमेंट थेरेपी दी जा रही हो या इसके लिए पात्र हो</li> </ul>
<p><b>HIV/AIDS</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• people with high levels of immune suppression, have uncontrolled/untreated HIV (high viral load) or present acutely with an AIDS defining diagnosis</li> <li>• people on treatment for HIV with CD4 &lt;350 cells/mm<sup>3</sup> and stable on HIV treatment or CD4&gt;350 cells/mm<sup>3</sup> and additional risk factors (e.g. age, diabetes, obesity, cardiovascular, liver or renal disease, homeless, those with alcohol-dependence)</li> </ul>	<p><b>HIV/AIDS</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• काफी अधिक इम्यून सप्रेसन वाले मरीज, जिन्हें अनियंत्रित / अनुपचारित HIV (हाई वायरल लोड) हो कोई AIDS डिफाइनिंग डायग्नोसिस को तीक्ष्ण रूप से प्रस्तुत करते हैं</li> <li>• ऐसे मरीज जो CD4 &lt;350 cells/mm<sup>3</sup> के साथ HIV के उपचार पर हों, तथा HIV उपचार अथवा CD4&gt;350 cells/mm<sup>3</sup> पर स्थिर हों, तथा अतिरिक्त जोखिम कारक (जैसे कि आयु, मधुमेह, मोटापा, कार्डियोवैस्कुलर, लीवर या गुर्दे का रोग, बेघर, अल्कोहल पर आश्रित)</li> </ul>
<p><b>Solid organ transplant recipients</b></p>	<p><b>ठोस अंग प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता</b></p>



<p>All recipients of solid organ transplants not otherwise specified above</p>	<p>सभी ठोस अंग प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता जो अन्यथा ऊपर निर्दिष्ट नहीं हैं</p>
<p><b>Rare neurological conditions</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• multiple sclerosis</li> <li>• motor neurone disease</li> <li>• myasthenia gravis</li> <li>• Huntington's disease</li> </ul>	<p><b>रेयर न्यूरोलॉजिकल समस्याएं</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• मल्टीपल स्क्लेरोसिस</li> <li>• मोटर न्यूरॉन रोग</li> <li>• माईएस्थीनिया ग्रेविस</li> <li>• हंटिंग्टन रोग</li> </ul>
<p><b>Young people aged 12 to 17 considered at high risk from coronavirus and to be prioritised for treatment</b></p> <p>Coronavirus is much less likely to progress to severe disease in people aged 12 to 17, even in those who might be viewed as at increased risk. Only those 12 to 17 year olds assessed as at exceptionally high risk will be offered an infusion of a monoclonal antibody treatment. The oral antiviral treatments are only authorised for use in adults aged over 18 years.</p> <p>The decision to treat will normally be made by a multi-disciplinary team after carefully weighing the risks and benefits. They'll take into consideration the <a href="#">recommendations from the independent advisory group</a>.</p>	<p><b>12 से 17 वर्ष की आयु वाले किशोरों को कोरोनावायरस के अधिक जोखिम पर माना जाता है, और जिन्हें उपचार में वरीयता दी जाएगी</b></p> <p>12 से 17 वर्ष की आयु वाले लोगों में कोरोनावायरस प्रगति करके कोई गंभीर रोग बनने की बहुत कम सम्भावना है, यहां तक कि उनमें से भी जिन लोगों को अधिक जोखिम वाले व्यक्तियों के रूप में देखा जा सकता है। 12 से 17 वर्ष की आयु वाले बच्चे, जिन्हें आपवादिक रूप से उच्च जोखिम के रूप में जांच की गई है, उन्हें एक मोनोक्लोनल एंटीबॉडी ट्रीटमेंट का इंफ्यूजन दिया जाएगा। ओरल एंटीवायरल उपचार केवल 18 वर्ष से अधिक आयु के वयस्कों में उपयोग के लिए प्राधिकृत है।</p>

	<p>आमतौर पर उपचार का निर्णय एक मल्टी-डिसप्लीनेरी टीम द्वारा जोखिमों एवं लाभों के बारे में पर्याप्त सोचने-विचारने के द्वारा लिया जाएगा। वे <a href="#">स्वतंत्र परामर्श समूह की अनुशंसाओं</a> को ध्यान में रखेंगे।</p>
<p><b>Accessing testing</b></p> <p>If you have a health condition which means you may be eligible for new coronavirus treatments, you should keep a pack of lateral flow tests at home. Only use them if you develop symptoms. You can <a href="#">order a free pack for home delivery online</a> or by phoning 119.</p> <p>Testing is still free of charge if you have a health condition which means you may be eligible for new coronavirus treatments.</p>	<p><b>जांच तक पहुंच</b></p> <p>यदि आपकी कोई ऐसी स्वास्थ्य स्थिति है, जिसके कारण आप नए कोरोनावायरस उपचार के लिए पात्र हैं, तो आपको लेटरल फ्लो टेस्ट का एक पैक घर पर रखना चाहिए। उनका प्रयोग केवल तभी करें, जब आपके शरीर में लक्षण विकसित हों। आप <a href="#">होम डिलीवरी के लिए एक फ्री पैक ऑनलाइन ऑर्डर</a> कर सकते हैं या 119 पर फोन करके कर सकते हैं।</p> <p>यदि आपको कोई ऐसी स्वास्थ्य समस्या है, जिसके कारण आप नए कोरोनावायरस उपचार के लिए पात्र हो सकते हैं, तो आपके लिए अभी भी टेस्टिंग निःशुल्क है।</p>
<p><b>Positive LFD result</b></p> <p>If your LFD test is positive and you're eligible for treatment you need to do 3 things:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. Contact your NHS health board on the number on this page. They'll assess your suitability for treatment.</li> <li>2. Phone 119 and request 2 PCR kits. Tell the call handler that you live in Scotland and are eligible for treatment. You</li> </ol>	<p><b>पॉजिटिव LFD परिणाम</b></p> <p>यदि आपका LFD टेस्ट पॉजिटिव है, तथा आप उपचार के लिए पात्र हैं, तो आपको 3 चीजें करने की जरूरत है:</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. इस पेज पर दिए गए नंबर पर अपने NHS हेल्थ बोर्ड से संपर्क करें। वे उपचार के लिए आपकी उपयुक्तता का मूल्यांकन करेंगे।</li> </ol>

<p>should do this as soon as possible after your positive result. Two tests will arrive within 24 to 48 hours. You should take one of these tests as soon as it arrives and the other 5 days after your treatment begins. You cannot order these tests online.</p> <p>3. Follow <a href="#">stay at home</a> advice.</p>	<p>2. 119 पर फोन करें और 2 PCR किट्स हेतु अनुरोध करें। फोन उठाने वाले को बताएं कि आप स्कॉटलैंड में रहते हैं और आप उपचार के लिए पात्र हैं। आपका परिणाम पॉजिटिव आने के बाद आपको यथाशीघ्र यह काम करना चाहिए। 24 से 48 घंटों के अंदर दो टेस्ट आएंगे। जैसे ही टेस्ट आपके पास आए आपको यथाशीघ्र एक टेस्ट लेना चाहिए, और दूसरा टेस्ट उपचार आरंभ होने के 5 दिनों बाद लें। आप ये टेस्ट ऑनलाइन ऑर्डर नहीं कर सकते हैं।</p> <p>3. <a href="#">घर पर रहने</a> संबंधी परामर्श का अनुसरण करें।</p>
<p><b>Negative LFD result</b></p> <p>If your LFD test is negative, but you still have symptoms, you should take another LFD test on each of the next 2 days (3 tests in total over 3 days). If either of these tests is positive, follow the steps for a positive LFD test.</p>	<p><b>निगेटिव LFD परिणाम</b></p> <p>यदि आपका LFD टेस्ट निगेटिव होता है, परंतु फिर भी आपको लक्षण हैं, तो आपको अगले 2 दिन एक-एक और LFD टेस्ट करना चाहिए, (कुल मिलाकर 3 दिनों में 3 टेस्ट)। यदि इनमें से किसी भी टेस्ट का परिणाम पॉजिटिव आता है, तो एक पॉजिटिव LFD टेस्ट संबंधी चरणों का पालन करें।</p>
<p><b>PCR tests</b></p> <p>There is no need to take a PCR test to start receiving treatment. However, taking a PCR test before and after you have your treatment for coronavirus helps provide extra information about any changes to the virus and how well the treatments are working.</p> <p>The first test should be taken as soon as it arrives, if possible this should be before you take the first dose of your treatment. You</p>	<p><b>PCR टेस्ट</b></p> <p>उपचार प्राप्त करना आरंभ करने के लिए PCR टेस्ट लेने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, कोरोनावायरस के उपचार से पहले एवं उसके बाद एक PCR टेस्ट करवाने से वायरस में किसी परिवर्तन के बारे में अतिरिक्त जानकारी मिलने में सहायता होती है, और यह भी ज्ञात होता है कि उपचार कितनी अच्छी तरह से काम कर रहे हैं।</p>

<p>should not delay treatment to wait for the PCR tests to arrive or wait for the result. If it hasn't arrived when you get your treatment, just take it as soon as you can.</p> <p>Take the second test on day 5 of your treatment, whether you have finished treatment or not, and regardless of when you took the first test.</p>	<p>टेस्ट आने के साथ तुरंत ही पहला टेस्ट लिया जाना चाहिए, यदि सम्भव हो तो आपके उपचार की प्रथम खुराक से पहले ही टेस्ट लें। आपको PCR टेस्ट आने या परिणामों की प्रतीक्षा करते हुए उपचार में विलंब नहीं करना चाहिए। यदि आपका उपचार मिलने के समय तक टेस्ट नहीं आता है, तो जब भी टेस्ट आए, यथाशीघ्र टेस्ट लें।</p> <p>दूसरा टेस्ट आपके उपचार के दिन 5 को लें, भले ही आपका उपचार पूरा हो गया हो अथवा नहीं, और इससे कोई फर्क नहीं कि आपने पहला टेस्ट कब लिया था।</p>
<p><b>Accessing treatment</b></p> <p>The table below provides a phone number for each NHS health board that you can contact if you meet the eligibility criteria. You should contact your health board where you live.</p> <p>If you test positive while you're away from home (for example on holiday) in any other part of Scotland or the UK, you should still contact your home health board where you permanently live. This is because your home health board in Scotland will have access to more information about you to support any requirements to confirm your eligibility. They'll then help you to access the closest treatment service to where you are temporarily staying.</p>	<p><b>उपचार तक पहुंच</b></p> <p>नीचे दी गई तालिका में प्रत्येक NHS हेल्थ बोर्ड का फोन नंबर दिया गया है, यदि आप पात्रता मानदण्ड को पूरा करते हैं, तो आप उन फोन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। आप जहां रहते हैं, वहां के हेल्थ बोर्ड से आपको संपर्क करना चाहिए।</p> <p>यदि आप घर से दूर रहने के दौरान स्कॉटलैंड या यूके के किसी अन्य भाग में पॉजिटिव हो जाते हैं (उदाहरण के लिए छुट्टियों के दौरान), तो आप जहां स्थायी रूप से रहते हैं, आपको वहां के अपने होम हेल्थ बोर्ड से संपर्क करना चाहिए। ऐसा इसलिए है, क्योंकि स्कॉटलैंड में आपके होम हेल्थ बोर्ड के पास आपके बारे में अधिक जानकारी होगी, और वे आपकी पात्रता की पुष्टि करने के लिए किसी जरूरत को सपोर्ट कर सकते हैं। उसके बाद वे आपको वहां पर निकटतम उपचार सेवा प्राप्त करने में सहायता करेंगे, जहां आप अस्थायी रूप से रह रहे हैं।</p>

The phone lines will be open 7 days a week including public holidays. You may reach an answering machine and be asked to leave a message as some areas are operating a call back service.

After contacting the number you'll be assessed for your suitability for treatment.

If eligible, you'll be asked about the medicines that you're currently taking. This is for safety reasons as some medicines can cause serious side effects when taken together. Please have the list of medicines that you're taking handy when you call. This includes medicines prescribed by your GP practice or hospital, medicines prescribed privately outside of the NHS, and any medicines bought from a pharmacy or shop without a prescription.

Remember to also include herbal remedies and vitamin supplements you are taking, as well as medicines that come in patches, inhalers, suppositories, lozenges, gels, ointments, or creams.

The NHS will advise which treatment, if any, is suitable for you. Your clinician may recommend an antiviral treatment to be taken orally. Alternatively, you might have to travel to a day clinic at a hospital to receive a treatment called a monoclonal antibody treatment. This is normally given by intravenous infusion (in your vein). You'll get instructions on where to get the treatment and how to get there and back safely.

ये फोन लाइनें सप्ताह के सभी 7 दिन खुली रहेंगी, सार्वजनिक अवकाशों समेत। कुछ क्षेत्रों में एक कॉल बैक सेवा संचालित की जा रही हैं, वहां आप एक आसरेिंग मशीन तक पहुंच सकते हैं, और आपसे एक संदेश छोड़ने के लिए कहा जाएगा।

नंबर से संपर्क करने के बाद उपचार की उपयुक्तता के लिए आपकी जांच की जाएगी।

यदि आप पात्र होंगे, तो आपसे पूछा जाएगा कि आप वर्तमान में कौन सी दवाएं ले रहे हैं। यह सुरक्षा कारणों से है, क्योंकि कुछ दवाओं का एक साथ सेवन किए जाने पर गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। जब आप फोन करें, तो कृपया उन दवाओं की सूची अपने पास रखें, जिनका आप सेवन कर रहे हैं। इसमें आपके GP प्रैक्टिस या अस्पताल द्वारा लिखी गई दवाएं, NHS के बाहर प्राइवेट तौर पर लिखी गई दवाएं, तथा किसी प्रिस्क्रिप्शन के बिना किसी फार्मसी या दुकान से खरीदी गई दवाएं शामिल हैं।

इसमें आपके द्वारा सेवन की जाने वाली हर्बल रेमेडीज या विटामिन सप्लीमेंट्स को शामिल करना याद रखें, साथ ही ऐसी दवाएं भी जो पैच, इनहेलर, सपोजिटरीज, लॉजेन्जेज, जेल, ऑइंटमेंट्स या क्रीम के रूप में आती हैं।

NHS आपको परामर्श देगा कि कौन या उपचार आपके लिए उपयुक्त है, यदि कोई होगा तो। आपके क्लीनीशियन आपको किसी खाने वाली दवा के एंटीवायरल उपचार की अनुशंसा कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आपको मोनोक्लोनल एंटीबॉडी ट्रीटमेंट नामक एक उपचार प्राप्त करने के लिए एक अस्पताल में एक डे क्लीनिक तक जाना पड़ सकता है। यह उपचार सामान्य तौर पर इंटरवीनस इंफ्यूजन (आपकी शिरा में) द्वारा दिया जाता है। आपको कहां से उपचार लेना है, वहां तक कैसे जाना है और सुरक्षित तरीके से वापस आना है, इस बारे में आपको निर्देश दिया जाएगा।

<p>These numbers should not be used if you're seeking urgent medical advice or have a general health query.</p> <p>NHS Ayrshire &amp; Arran - 01563 825 610</p> <p>NHS Borders - 01896 827 015</p> <p>NHS Dumfries &amp; Galloway - 01387 241 959</p> <p>NHS Fife - 01592 729 799</p> <p>NHS Forth Valley - 01786 434 110</p> <p>NHS Grampian - 01224 553 555</p> <p>NHS Greater Glasgow &amp; Clyde - 0800 121 7072</p> <p>NHS Highland - 0800 085 1558</p> <p>NHS Lanarkshire - 01355 585 145</p> <p>NHS Lothian - 0300 790 6769</p> <p>NHS Orkney - 01856 888 259</p> <p>NHS Shetland - 01595 743 393</p> <p>NHS Tayside (Open 9am-4pm: Mon-Fri and 9am-1pm: Sat-Sun) - 01382 919 477</p>	<p>यदि आपको तत्काल चिकित्सीय परामर्श चाहिए या आपके पास कोई सामान्य स्वास्थ्य प्रश्न हैं, तो आपको इन नंबरों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।</p> <p>NHS Ayrshire &amp; Arran - 01563 825 610</p> <p>NHS Borders - 01896 827 015</p> <p>NHS Dumfries &amp; Galloway - 01387 241 959</p> <p>NHS Fife - 01592 729 799</p> <p>NHS Forth Valley - 01786 434 110</p> <p>NHS Grampian - 01224 553 555</p> <p>NHS Greater Glasgow &amp; Clyde - 0800 121 7072</p> <p>NHS Highland - 0800 085 1558</p> <p>NHS Lanarkshire - 01355 585 145</p> <p>NHS Lothian - 0300 790 6769</p> <p>NHS Orkney - 01856 888 259</p> <p>NHS Shetland - 01595 743 393</p>
--	--

<p>NHS Western Isles - 01851 601 151</p>	<p>NHS Tayside (खुलने का समय सुबह 9 बजे-शाम 4 बजे: सोमवार से शुक्रवार तथा सुबह 9 बजे-दोपहर 1 बजे: शनिवार-रविवार) - 01382 919 477</p> <p>NHS Western Isles - 01851 601 151</p>
<p><b>PANORAMIC Research Study</b></p> <p>Coronavirus oral antiviral treatments are being evaluated through a study called PANORAMIC, run by the University of Oxford.</p> <p>People across Scotland took part in the first stage of the study which evaluated a medicine called molnupiravir. This stage of the study has now closed.</p> <p>The second stage of the study will evaluate a medicine called Paxlovid. This stage is taking place through localised study sites. This is because the health professionals recruiting participants into the study need access to medical record data to see if the medicine is suitable for individuals before they can enter the study.</p> <p>There are no study sites open yet in Scotland. Work is underway to find out how this stage of the study could be offered in Scotland in the future.</p> <p>For more information about the study, visit <a href="#">the PANORAMIC trial website</a> or contact <a href="mailto:communications@nrs.org.uk">mailto:communications@nrs.org.uk</a></p>	<p><b>PANORAMIC अनुसंधान अध्ययन</b></p> <p>कोरोनावायरस ओरल एंटीवायरल उपचारों का मूल्यांकन, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा संचालित PANORAMIC नामक एक अध्ययन के माध्यम से किया जा रहा है।</p> <p>समग्र स्कॉटलैण्ड के लोगों ने इस अध्ययन के प्रथम चरण में हिस्सा लिया है, जिसमें मोलनुपिरैविर नामक एक दवा का मूल्यांकन किया गया है। अध्ययन के इस चरण को अब बंद कर दिया गया है।</p> <p>अध्ययन के द्वितीय चरण में पैक्सलोविड नामक एक दवा का मूल्यांकन किया जाएगा। यह चरण, स्थानीयकृत अध्ययन केन्द्रों के माध्यम से किया जा रहा है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि अध्ययन में सहभागियों की भर्ती करने वाले हेल्थ प्रोफेशनल्स को मेडिकल रिकॉर्ड डेटा एक्सेस करने की जरूरत होती है, जिससे अध्ययन में व्यक्तियों को शामिल करने से पहले यह देखा जा सके कि क्या वह दवा व्यक्तियों के लिए उपयुक्त है।</p>

	<p>स्कॉटलैण्ड में अभी तक कोई अध्ययन केन्द्र नहीं खुले हैं। भविष्य में स्कॉटलैण्ड में अध्ययन के यह चरण कैसे ऑफर किया जा सकता है, यह पता लगाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।</p> <p>इस अध्ययन के बारे में अधिक जानकारी के लिए, <a href="#">PANORAMIC ट्रायल वेबसाइट</a> पर जाएँ या संपर्क करें <a href="mailto:communications@nrs.org.uk">mailto:communications@nrs.org.uk</a></p>
For more information about coronavirus (COVID-19) in Hindi go to <a href="http://www.nhsinform.scot/translations/languages/hindi/">www.nhsinform.scot/translations/languages/hindi/</a>	कोरोनावायरस (कोविड-19) के बारे में [हिन्दी] में अधिक जानकारी के <a href="http://www.nhsinform.scot/translations/languages/hindi/">www.nhsinform.scot/translations/languages/hindi/</a> पर जाएँ
15 July 2022	15 जुलाई 2022